CBSE Class 7 Social Science Important Questions Civics Chapter 8 बाज़ार में एक कमीज़

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
एक कमीज की कहानी कहाँ से शुरू होती है?
उत्तर:
एक कमीज की कहानी कपास के उत्पादन से प्रारंभ होती है।

प्रश्न 2.
स्वप्ना कौन थी?
उत्तर:
स्वप्ना एक छोटी कपास उत्पादक किसान थी।

प्रश्न 3.
स्वप्ना ने अपनी रुई किसे बेची?
उत्तर:
स्वप्ना ने अपनी रुई स्थानीय व्यापारी को बेची।

प्रश्न 4.
दादन व्यवस्था क्या है?
उत्तर:
व्यापारी और बुनकरों के बीच की वह व्यवस्था 'दादन व्यवस्था' कहलाती है, जिसमें व्यापारी कच्चा माल देता है और तैयार माल लेता है।

प्रश्न 5.
सहकारी संस्था क्या है?
उत्तर:
एक सहकारी संस्था वह है जिसमें समान हित के लोग इकट्ठे होकर परस्पर लाभ के लिए काम करते हैं।

प्रश्न 6.
बाजार में गरीबों के शोषण की समस्या के समाधान के क्या रास्ते हैं?
उत्तर:

- उत्पादक मिलकर सहकारी संस्था बनाएँ।
- कानूनों का दृढ़ता से पालन हो।

प्रश्न 7.
जिनिंग मिल क्या है?
उत्तर:
जिनिंग मिल वह फैक्ट्री है जहाँ रुई के गोलों से बीज अलग किए जाते हैं तथा रुई को दबाकर गट्ठर बनाए जाते हैं।

प्रश्न 8.
निर्यातक से क्या आशय है?
उत्तर:
निर्यातक वह व्यक्ति होता है जो विदेशों में माल बेचता है।

प्रश्न 9.
बाजार से क्या लाभ है?
उत्तर:
बाजार लोगों को काम करने, उन चीजों को बनाने और बेचने का अवसर देता है, जो वे उगाते व बनाते हैं।

प्रश्न 10.
गरीबों को किन बातों के लिए धनी व शक्तिशाली लोगों पर निर्भर रहना पड़ता है?
उत्तर:
गरीबों को ऋण के लिए, कच्चा माल प्राप्त करने, अपना सामान बेचने के लिए तथा नौकरी प्राप्त करने के लिए धनी व शक्तिशाली लोगों पर निर्भर रहना पड़ता है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
कपास के छोटे किसानों को प्रायः पैसा उधार क्यों लेना पड़ता है?
उत्तर:
कपास की खेती में बहुत अधिक निवेश करने की जरूरत पड़ती है, जैसे-उर्वरक, कीटनाशक आदि। इन पर किसानों को काफी व्यय करना पड़ता है। प्रायः छोटे किसानों को इन खर्चों की पूर्ति के लिए पैसा उधार लेना पड़ता है।

प्रश्न 2.
कमीज की कहानी की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

- किसान कपासमंडी में व्यापारी को रुई बेचते हैं।
- व्यापारी जिनिंग मिलों को रुई बेचते हैं।
- जिनिंग मिलें कपास से बीज हटाती हैं और दबाकर कपास के गट्ठर बनाती हैं।
- सूत कातने की मिलें कपास के गट्ठर खरीद लेती हैं तथा कपास से धागा बनाती हैं तथा व्यापारियों को धागा बेच देती हैं।
- सूत के व्यापारी बुनकरों को सूत देते हैं।
- बुनकर कपड़ा तैयार करके लाते हैं।
- गार्मेंट निर्यातक, कमीजें बनाने के लिए व्यापारी से कपड़ा खरीदती हैं।

https://www.evidyarthi.in/

- वस्त्र निर्यातक, विदेशी व्यवसायी को कमीजें बेचते हैं।
- ग्राहक सुपरमार्केट से इन कमीजों को खरीदते हैं।

प्रश्न 3.
दादन व्यवस्था से बुनकरों को प्राप्त होने वाले लाभ लिखिए।
उत्तर:
दादन व्यवस्था से बुनकरों को निम्नलिखित लाभ होते हैं-

- बुनकरों को सूत खरीदने के लिए पैसा नहीं लगाना पड़ता है।
- दादन व्यवस्था में तैयार कपड़ों के बेचने की व्यवस्था हो जाती है।
- बुनकरों को प्रारंभ से ही पता चल जाता है कि उन्हें कौनसा कपड़ा बनाना है और कितना बनाना है?

प्रश्न 4.
इरोड़ के कपड़ा बाजार पर एक टिप्पणी लिखिये।
उत्तर:
इरोड़ का कपड़ा बाजार-

- तमिलनाडु में सप्ताह में दो बार लगने वाला इरोड़ का कपड़ा बाजार संसार के विशाल बाजारों में से एक है।
- इस बाजार में कई प्रकार का कपड़ा बेचा जाता है।
- आसपास के गाँवों में बुनकरों द्वारा बनाया गया कपड़ा भी इस बाजार में बिकने के लिए आता है।
- बाजार के कपड़ा व्यापारी इस कपड़े को खरीदते हैं।
- दक्षिण भारत के शहरों के अन्य व्यापारी भी इस बाजार में कपड़ा खरीदने आते हैं।